चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....हरिभूमि....
दिनांक 22.8.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 2-6

हकृवि में गाजर घास जागरूकता सप्ताह का आयोजन

गाजर घास पर्यावरण व जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा : डॉ. समुन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा 16 से 22 अगस्त तक गाजर घास जागरूकता सप्ताह चलाया गया। यह जागरूकता अभियान जबलपुर के खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत एचएयू की टीम ने पीली मंदौरी, माधोसिंघाना, ढांड, बड़ोपल और भाटोल जाटान आदि गांवों में किसानों को गाजर घास के बारे में जागरूक किया व इसको मिटाने का संकल्प लिया। विभागाध्यक्ष डॉ. समुंदर सिंह ने बताया कि प्रकृति में अत्यंत महत्वपूर्ण वनस्पतियों के अलावा कुछ वनस्पतियां ऐसी भी है, जोकि धीरे-धीरे एक अभिशाप का रूप लेती जा रही हैं। बरसात का मौसम शुरू होते ही गाजर के तरह की पत्तियों वाली एक वनस्पति काफी तेजी से बढ़ने और फैलने लगती है। इसे गाजर घास, कांग्रेस घास या चटक चांदनी आदि नामों से जाना जाता है। उन्होंने हकृवि के एनएसएस छात्रों को संबोधित करते हुए गाजर घास के नुकसान एवं रोकथाम के बारे में जानकारी दी। जागरूकता सप्ताह अभियान की शुरूआत अखिल भारतीय खरपतवार अनुसंधान परियोजना हिसार केन्द्र के मुख्य अन्वेषक डॉ. सतबीर पुनिया की अगुवाई में फतेहाबाद के गांव ढांड से की गई थी। डॉ. पुनिया ने बताया कि यह घास सड़क के किनारे, पार्कों, खेल के मैदानों, रेलवे लाइन के साथ खाली पड़े स्थानों पर फैल चुका है। इस घास के कारण मनुष्यों के साथ पशुओं में भी बीमारी के लक्षण आने लगे हैं। उन्होंने बताया कि इसके संपर्क में आने से मनुष्यों में एग्जिमा, एलर्जी, बुखार, दमा जैसी बीमारियां आ जाती है।

■ गाजर घास के नुकसान एवं रोकथाम के बारे में जानकारी दी

हिसार। गाजर घास जागरूकता अभियान के दौरान अधिकारीगण व किसान फोटोः हरिभूमि

इसी के अंतर्गत राजकीय बहुतकनीकी कॉलेज में छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. टोडरमल पूनियां ने बताया कि यह घास आज देश में लगभग 350 लाख हेक्टेयर भूमि में पैर पसार चुका है। जब यह एक स्थान पर जम जाती है, तो अपने आस-पास किसी अन्य पौधे को जमने नहीं देती है। जिसके कारण अनेकों महत्वपूर्ण जड़ी बूटियों और चरागाहों के नष्ट हो जाने की संभावना पैदा हो गई है। गाजर घास के एक पौधे से लगभग 10000 से 20000 बीज पैदा हो सकता है, जोकि जमीन में पुनः नमीं पाकर अंकुरित हो जाते है। इस खरपतवार से खाद्यान्न फसलों में लगभग 40 प्रतिशत तक की कमी आ जाती है।

वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार ने इस घास के निवारण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले रसायनों के बारे में बताया। कुछ शाकनाशियों के प्रयोग जैसे एट्राजिन-मेट्रिब्युजिन 0.5 प्रतिशत व ग्लाफोसेट 1-1.5 प्रतिशत का प्रयोग कर इस खरपतवार को नष्ट किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को इससे कम्पोस्ट बनाने का तरीका बताया तथा इस खरपतवार की रोकथाम के सामूहिक उपाय बताए।

इस अवसर पर मनजीत ने जैविक कीट नियंत्रण द्वारा गाजर घास की रोकथाम पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय ब्राह्मणान में डॉ. सतबीर पुनिया ने छात्रों को गाजर घास के नुकसान के बारे में अवगत कराय। इस दौरान कॉलेज के प्रचार्य सुनील कुमार, लेक्चरर प्रवीण पान्नु, संदीप कुमार, घनश्याम आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....
दिनांक 23.8.2017 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 7-8

गाजर घास जागरूकता अभियान के दौरान अधिकारीगण व किसान।

पर्यावरण और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा 'गाजर घास'

हिसार, 22 अगस्त (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सदस्य विज्ञान विभाग द्वारा गाजर घास जागरूकता सप्ताह चलाया गया। यह जागरूकता अभियान जबलपुर के खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से चलाया गया।

इस अभियान के अंतर्गत एच.ए.यू. की टीम ने पीली मंदौरी, माधो सिंघाना, ढांड, बड़ोपल और भाटोल जाटान आदि गांवों में किसानों को गाजर घास के बारे में जागरूक किया व इसको मिटाने का संकल्प लिया। विभागाध्यक्ष डा. समुंद्र सिंह व मुख्य अन्वेषक डा. सतबीर पूनिया ने बताया कि यह घास सड़क के किनारे, पार्कों, खेल के मैदानों, रेलवे लाइन के साथ खाली पड़े स्थानों पर फैल चुका है। इस घास के कारण न केवल मनुष्यों में बल्कि पशुओं में भी बीमारी के लक्षण आने लगे हैं। उन्होंने बताया कि इसके संपर्क में आने से मनुष्यों में एग्जिमा, एलर्जी, बुखार, दमा जैसी बीमारियां आ जाती हैं। वहीं राजकीय बहुतकनीकी कालेज, हिसार में छात्रों को संबोधित करते हुए डा. टोडरमल पूनिया ने बताया कि यह घास देश में लगभग 350 लाख हैक्टेयर भूमि में पैर पसार चुका है। जब यह एक स्थान पर जम जाती है, तो अपने आस-पास किसी अन्य पौधे को जमने नहीं देती है। जिसके कारण अनेक महत्वपूर्ण जड़ी-बूटियों और चरागाहों के नष्ट हो जाने की संभावना पैदा हो गई है। इस खरपतवार से खाद्यान्न फसलों में लगभग 40 प्रतिशत तक की कमी आ जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......दैनिक जागरण......

दिनांक 23.8.2019 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 6-8

जैव विविधता के लिए खतरा है गाजर घास

गाजर घास जागरूकता अभियान के दौरान मौजूद अधिकारीगण व किसान। ● जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग की ओर से 16 से 22 अगस्त तक गाजर घास जागरूकता सप्ताह चलाया गया। यह जागरूकता अभियान जबलपुर के खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत एचएयू की टीम ने पीली मंदौरी, माधो सिंघाना, ढांड, बड़ोपल और भाटोल जाटान आदि गांवों में किसानों को गाजर घास के बारे में जागरूक किया व इसको मिटाने का संकल्प लिया। विभागाध्यक्ष डा. समुंदर सिंह ने बताया कि प्रकृति में अत्यंत महत्वपूर्ण वनस्पतियों के अलावा कुछ वनस्पतियां ऐसी भी है, जोकि धीरे-धीरे एक अभिशाप का रूप लेती जा रही हैं। बरसात का मौसम शुरू होते ही गाजर के तरह की पत्तियों वाली एक वनस्पति काफी तेजी से बढ़ने और फैलने लगती है। इसे गाजर घास, कांग्रेस घास या चटक चांदनी आदि नामों से जाना जाता है। उन्होंने हकृवि के एनएसएस छात्रों को संबोधित करते हुए गाजर घास के नुकसान एवं रोकथाम के बारे में जानकारी दी। जागरूकता सप्ताह अभियान की शुरुआत अखिल भारतीय खरपतवार अनुसंधान परियोजना हिसार केंद्र के मुख्य अन्वेषक डा. सतबीर पुनिया की अगुवाई में फतेहाबाद के गांव ढांड से की गई थी। डा. पूनिया ने बताया कि यह घास सड़क के किनारे, पार्कों, खेल के मैदानों, रेलवे लाइन के साथ खाली पड़े स्थानों पर फैल चुका है। अंतर्गत राजकीय बहुतकनीकी कॉलेज, हिसार में छात्रों को संबोधित करते हुए डा. टोडरमल पूनियां ने बताया कि यह घास आज देश में लगभग 350 लाख हेक्टेयर भूमि में पैर पसार चुका है। वैज्ञानिक डा. सुशील कुमार ने इस घास के निवारण के लिए उपयोग में लाए जाने वाले रसायनों के बारे में बताया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर....

दिनांक ..22.8.2019.. पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....2-8....

पर्यावरण और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा है गाजर घास : विशेषज्ञ

हिसार/22 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा जबलपुर के खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से गाजर घास जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत पीली मंदौरी, माधो सिंघाना, ढांड, बड़ोपल और भाटोल जाटान आदि गांवों में किसानों को गाजर घास के बारे में जागरूक किया व इसको मिटाने का संकल्प लिया। विभागाध्यक्ष डॉ. समुंदर सिंह ने बताया कि प्रकृति में अत्यंत महत्वपूर्ण वनस्पतियों के अलावा कुछ वनस्पतियां ऐसी भी हैं, जोकि धीरे-धीरे एक अभिशाप का रूप लेती जा रही हैं। बरसात का मौसम शुरू होते ही गाजर के तरह की पत्तियों वाली एक वनस्पति काफी तेजी से बढ़ने और फैलने लगती है। इसे गाजर घास, कांग्रेस घास या चटक चांदनी आदि नामों से जाना जाता है। उन्होंने हकृवि के एनएसएस छात्रों को संबोधित करते हुए गाजर घास के नुकसान एवं रोकथाम के बारे में जानकारी दी। जागरूकता सप्ताह अभियान की शुरूआत अखिल भारतीय खरपतवार अनुसंधान परियोजना हिसार केन्द्र के मुख्य अन्वेषक डॉ. सतबीर पुनिया की अगुवाई में फतेहाबाद के गांव ढ्रांड से की गई थी। डॉ. पूनिया ने बताया कि यह घास सड़क के किनारे, पार्कों, खेल के मैदानों, रेलवे लाइन के साथ खाली पड़े स्थानों पर फैल चुका है। इस घास के कारण न केवल मनुष्यों में बल्कि पशुओं में भी बीमारी के लक्षण आने लगे हैं। उन्होंने बताया कि इसके संपर्क में आने से मनुष्यों में एग्जिमा, एलर्जी, बुखार, दमा जैसी बीमारियां जा जाती है। इसी के अंतर्गत राजकीय बहुतकनीकी कॉलेज, हिसार में छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. टोडरमल पूनियां ने बताया कि यह घास आज देश में लगभग 350 लाख हेक्टेयर भूमि में पैर पसार चुका है। जब यह एक स्थान पर जम जाती हैं, तो अपने आस-पास किसी अन्य पौधे को जमने नहीं देती है। जिसके कारण अनेकों महत्वपूर्ण जड़ी बूटियों और चरागाहों के नष्ट हो जानें की संभावना पैदा हो गई है। गाजर घास के एक पौधे से लगभग 10000 से 20000 बीज पैदा हो सकता है, जोकि जमीन में पुनः नमीं पाकर अंकुरित हो जाते है। इस खरपतवार से खाद्यान्न फसलों में लगभग 40 प्रतिशत तक की कमी आ जाती है। वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार ने इस घास के निवारण हेतू उपयोग में लाए जाने वाले रसायनों के बारे में बताया। कुछ शाकनाशियों के प्रयोग जैसे एट्राजिन/ मैट्रिब्यूजिन 0.5 प्रतिशत व ग्लाफोसेट 1-1.5 प्रतिशत का प्रयोग करके इस खरपतवार को नष्ट किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को इससे कम्पोस्ट बनाने का तरीका बताया तथा इस खरपतवार की रोकथाम के सामूहिक उपाय बताए। इस अवसर पर मनजीत ने जैविक कीट नियंत्रण द्वारा गाजर घास की रोकथाम पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......सिटी पल्स......
दिनांक 22.8.2019 पृष्ठ सं. ....4.... कॉलम ....1-4....

पर्यावरण और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा है गाजर घास

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा चलाया गया गाजर घास जागरूकता सप्ताह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा 22 अगस्त तक गाजर घास जागरूकता सप्ताह चलाया गया। यह जागरूकता अभियान जबलपुर के खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत एचएयू की टीम ने पीली मंदौरी, माधो सिंघाना, ढांड, बड़ोपल और भाटोल जाटान आदि गांवों में किसानों को गाजर घास के बारे में जागरूक किया व इसको मिटाने का संकल्प लिया। विभागाध्यक्ष डॉ. समुंदर सिंह ने बताया कि प्रकृति में अत्यंत महत्वपूर्ण वनस्पतियों के अलावा कुछ वनस्पतियां ऐसी भी है, जोकि धीरे-धीरे एक अभिशाप का रूप लेती जा रही हैं। उन्होंने हकृवि के एनएसएस छात्रों को संबोधित करते हुए गाजर घास के नुकसान एवं रोकथाम के बारे में जानकारी दी।

हिसार। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी।

जागरूकता सप्ताह अभियान की शुरूआत अखिल भारतीय खरपतवार अनुसंधान परियोजना हिसार केन्द्र के मुख्य अन्वेषक डॉ. सतबीर पुनिया की अगुवाई में फतेहाबाद के गांव ढांड से की गई थी। डॉ. पूनिया ने बताया कि यह घास सड़क के किनारे, पार्कों, खेल के मैदानों, रेलवे लाइन के साथ खाली पड़े स्थानों पर फैल चुका है। इस घास के कारण न केवल मनुष्यों में बल्कि पशुओं में भी बीमारी के लक्षण आने लगे है। उन्होंने बताया कि इसके संपर्क में आने से मनुष्यों में एग्ज़िमा, एलर्जी, बुखार, दमा जैसी बीमारियां आ जाती है। इसी के अंतर्गत राजकीय बहुतकनीकी कॉलेज, हिसार में छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. टोडरमल पूनियां ने बताया कि यह घास आज देश में लगभग 350 लाख हेक्टेयर भूमि में पैर पसार चुका है। जब यह एक स्थान पर जम जाती है, तो अपने आस-पास किसी अन्य पौधे को जमने नहीं देती है। जिसके कारण अनेकों महत्वपूर्ण जड़ी बूटियों और चरागाहों के नष्ट हो जाने की संभावना पैदा हो गई है।

वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार ने इस घास के निवारण हेतु उपयोग में लाए जाने वाले रसायनों के बारे में बताया तथा इस खरपतवार की रोकथाम के सामूहिक उपाय बताए। इस अवसर पर मनजीत ने जैविक कीट नियंत्रण द्वारा गाजर घास की रोकथाम पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय बराह्णा में डॉ. सतबीर पुनिया ने छात्रों को गाजर घास के नुकसान के बारे में अवगत कराया और इसे जड़ से मिटाने का संकल्प लिया।

इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य सुनील कुमार, लेक्चरर प्रवीण पात्रु, संदीप कुमार, घनश्याम आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नित्य शक्ति टाइम्स....

दिनांक 22.8.2019 पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....1-4....

गाजर घास पर्यावरण व जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा : डा. समुन्द्र

हिसार, 22 अगस्त (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग द्वारा 16 से 22 अगस्त तक गाजर घास जागरूकता सप्ताह चलाया गया। यह जागरूकता अभियान जबलपुर के खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत एचएयू की टीम ने पीली मंदौरी, माधो सिंघाना, ढांड, बड़ोपल और भाटोल जाटान आदि गांवों में किसानों को गाजर घास के बारे में जागरूक किया व इसको मिटाने का संकल्प लिया।

विभागाध्यक्ष डॉ. समुंदर सिंह ने बताया कि प्रकृति में अत्यंत महत्वपूर्ण वनस्पतियों के अलावा कुछ वनस्पतियां ऐसी भी है, जोकि धीरे-धीरे एक अभिशाप का रूप लेती जा रही हैं। बरसात का मौसम शुरू होते ही गाजर के तरह की पत्तियों वाली एक वनस्पति काफी तेजी से बढ़ने और फैलने लगती है। इसे गाजर घास, कांग्रेस घास या चटक चांदनी आदि नामों से जाना जाता है। उन्होंने हकृवि के एनएसएस छात्रों को संबोधित करते हुए गाजर घास के नुकसान एवं रोकथाम के बारे में जानकारी दी।

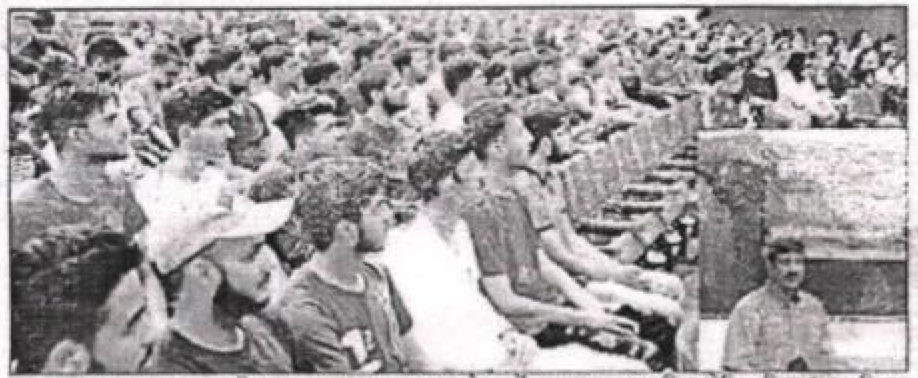

जागरूकता सप्ताह अभियान की शुरूआत अखिल भारतीय खरपतवार अनुसंधान परियोजना हिसार केन्द्र के मुख्य अन्वेषक डॉ. सतबीर पुनिया की अगुवाई में फतेहाबाद के गांव ढ़ांड से की गई थी। डॉ. पुनिया ने बताया कि यह घास सड़क के किनारे, पार्कों, खेल के मैदानों, रेलवे लाइन के साथ खाली पड़े स्थानों पर फैल चुका है। इस घास के कारण न केवल मनुष्यों में बल्कि पशुओं में भी बीमारी के लक्षण आने लगे हैं। उन्होंने बताया कि इसके संपर्क में आने से मनुष्यों में एग्जिमा, एलर्जी, बुखार, दमा जैसी बीमारियां आ जाती है।

इसी के अंतर्गत राजकीय बहुतकनीकी कॉलेज, हिसार में छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ. टोडरमल पूनियां ने बताया कि यह घास आज देश में लगभग 350 लाख हेक्टेयर भूमि में पैर पसार चुका है। जब यह एक स्थान पर जम जाती है, तो अपने आस-पास किसी अन्य पौधे को जमने नहीं देती है। जिसके कारण अनेकों महत्वपूर्ण जड़ी बूटियों और चरागाहों के नष्ट हो जानें की संभावना पैदा हो गई है। गाजर घास के एक पौधे से लगभग 10000 से 20000 बीज पैदा हो सकता है, जोकि जमीन में पुनः नमी पाकर अंकुरित हो जाते हैं। इस खरपतवार से खाद्यान्न फसलों में लगभग 40 प्रतिशत तक की कमी आ जाती है।

वैज्ञानिक डॉ. सुशील कुमार ने इस घास के निवारण हेतू उपयोग में लाए जाने वाले रसायनों के बारे में बताया। कुछ शाकनाशियों के प्रयोग जैसे एट्राजिन/मेट्रिब्यूजिन 0.5 प्रतिशत व ग्लाफोसेट 1-1.5 प्रतिशत का प्रयोग करके इस खरपतवार को नष्ट किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को इससे कम्पोस्ट बनाने का तरीका बताया तथा इस खरपतवार की रोकथाम के सामूहिक उपाय बताए। इस अवसर पर मनजीत ने जैविक कीट नियंत्रण द्वारा गाजर घास की रोकथाम पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालय बराड़ना में डॉ. सतबीर पुनिया ने छात्रों को गाजर घास के नुकसान के बारे में अवगत कराया और इसे जड़ से मिटाने का संकल्प लिया।

इस दौरान कॉलेज के प्राचार्य श्री सुनील कुमार, लेक्चरर प्रवीण पालू, संदीप कुमार, घनश्याम आदि मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला........
दिनांक 23.8.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 6:7

'स्वस्थ भोजन-स्वस्थ दिमाग' विषय पर प्रशिक्षण

प्रशिक्षणार्थी छात्राओं के साथ सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत काउंसिलिंग ऐंड प्लेसमेंट इकाई द्वारा खाद्य एवं पोषण विभाग के सहयोग से गृह विज्ञान की छात्राओं के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ।

इस प्रशिक्षण में 45 छात्राएं भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण का विषय स्वस्थ भोजन स्वस्थ दिमाग रहा। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण कॉर्डिनेटर डॉ. उर्वशी नांदल ने सभी छात्राओं का स्वागत किया और प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताते हुए पोषण की महत्ता के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि आजकल के युवाओं में पौष्टिक भोजन की महत्ता के बारे में ज्यादा ज्ञान नहीं हैं, इसलिए छात्राओं को जागरूक एवं प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर, हरि. ट्रिब्यून....
दिनांक ..23.8.2019.. पृष्ठ सं. ..2, 14.. कॉलम ..7-8, 7-8..

युवाओं को पौष्टिक भोजन के प्रति होना चाहिए जागरूक

हिसार | एचएयू के छात्र कल्याण निदेशालय के अंतर्गत काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट इकाई की ओर से खाद्य एवं पोषण विभाग के सहयोग से गृह विज्ञान की छात्राओं के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ। इस प्रशिक्षण में 45 छात्राएं हिस्सा ले रही हैं। प्रशिक्षण का विषय स्वस्थ भोजन, स्वस्थ दिमाग रहा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों में छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में बढ़ चढ़ कर शामिल होने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कोऑर्डिनेटर डॉ. उर्वशी नांदल ने बताया कि आजकल के युवाओं में पौष्टिक भोजन की महत्ता के बारे में ज्यादा ज्ञान नहीं हैं, इसलिए छात्राओं को जागरूक एवं प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

होम साइंस कॉलेज में प्रशिक्षण शुरू

हिसार। हकृवि के छात्र कल्याण निदेशालय के अन्तर्गत काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट इकाई द्वारा खाद्य एवं पोषण विभाग के सहयोग से गृह विज्ञान की छात्राओं के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ। इस प्रशिक्षण में 45 छात्राएं भाग ले रही हैं। इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक डा. ओमेंद्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में बढ़चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्डिनेटर डॉ. उर्वशी नांदल ने सभी छात्राओं का स्वागत किया और प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताते हुए पोषण की महत्ता के बारे में चर्चा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ : छोर........

दिनांक 22.8.2019 पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....1-3....

स्वस्थ भोजन स्वस्थ दिमाग पर प्रशिक्षण आरंभ

हिसार/22 अगस्त/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अन्तर्गत काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट इकाई द्वारा खाद्य एवं पोषण विभाग के सहयोग से गृह विज्ञान की छात्राओं के लिए आरंभ हुए प्रशिक्षण में 45 छात्राएं भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण का विषय है: स्वस्थ भोजन स्वस्थ दिमाग। इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण को-ऑर्डिनेटर डॉ. उर्वशी नांदल ने प्रशिक्षण के बारे में बताते हुए पोषण की महत्ता के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि आजकल के युवाओं में पौष्टिक भोजन की महत्ता के बारे में ज्यादा ज्ञान नहीं हैं, इसलिए छात्राओं को जागरूक एवं प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स....
दिनांक ..22.8.2019.. पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....6-8....

हकृवि में गृह विज्ञान की छात्राओं के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अन्तर्गत काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट इकाई द्वारा खाद्य एवं पोषण विभाग के सहयोग से गृह विज्ञान की छात्राओं के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ। इस प्रशिक्षण में 45 छात्राएं भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण का विषय है: स्वस्थ भोजन स्वस्थ दिमाग।

इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण कार्डिनेटर डॉ. उर्वशी नांदल ने सभी छात्राओं का स्वागत किया और प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताते हुए पोषण की महत्ता के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि आजकल के युवाओं में पौष्टिक भोजन की महत्ता के बारे में ज्यादा ज्ञान नहीं हैं, इसलिए छात्राओं को जागरूक एवं प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

हिसार। सह छात्र कल्याण निदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान प्रशिक्षणार्थी छात्राओं के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नित्य शक्ति टाइम्स........

दिनांक 22.8.2019 पृष्ठ सं. ....3.... कॉलम ....7-8....

गृह विज्ञान की छात्राओं के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

हिसार, 22 अगस्त (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के अन्तर्गत काउँसिलिंग एंड प्लेसमेंट इकाई द्वारा खाद्य एवं पोषण विभाग के सहयोग से गृह विज्ञान की छात्राओं के लिए दस दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ। इस प्रशिक्षण में 45 छात्राएं भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण का विषय है: स्वस्थ भोजन स्वस्थ दिमाग। इस अवसर पर सह छात्र कल्याण निदेशक डा. ओमेन्द्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्डिनेटर डॉ. उर्वशी नांदल ने सभी छात्राओं का स्वागत किया और प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से बताते हुए पोषण की महत्ता के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि आजकल के युवाओं में पौष्टिक भोजन की महत्ता के बारे में ज्यादा ज्ञान नहीं हैं, इसलिए छात्राओं को जागरूक एवं प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला, दैनिक भास्कर, जागरण
दिनांक 23.8.2019 पृष्ठ सं. 2, 2, 18 कॉलम 8, 5, 1

जीजेयू के होम साइंस कॉलेज में मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम सांइस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की छात्राओं ने वीरवार को जन्माष्टमी का पर्व मनाया।

उत्सव का शुभारंभ विभागाध्यक्षा डॉ. किरण सिंह व अन्य सहायक प्रोफेसरों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस उपलक्ष्य पर छात्राओं ने कृष्ण के गीतों पर नृत्य कर व कृष्ण रासलीला दिखाकर वातावरण को कृष्णमयी बना दिया।

इस अवसर पर डॉ. बीनू सहगल ने एक मनमोहक गीत के साथ अपने कृष्ण प्रेम की भावना को व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन पारिवारिक संसाधन प्रबंधन पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ ने किया। अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की स्टूडेंट्स ने जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया। इवेंट मैनेजमेंट की छात्राओं ने कॉलेज परिसर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर खूबसूरती से सजाया। उत्सव का शुभारंभ विभागाध्यक्षा डॉ. किरण सिंह व अन्य सहायक प्रोफेसरों ने दीप प्रज्वलित कर किया।

एचएयू के होम साइंस कालेज में मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम सांइस कालेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की स्टूडेंटस ने जन्माष्टमी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया। उत्सव का शुभारंभ विभागाध्यक्षा डा. किरण सिंह व अन्य सहायक प्रोफेसरों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....सिटी पल्स..........

दिनांक 22.8.2019 पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....1....

एचएयू के होम साइंस कॉलेज में मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम सांइस कालेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की स्टूडेंट्स ने जन्माष्टमी का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया। इवेंट मैनेजमेंट की छात्राओं ने कालेज परिसर को श्री कृष्ण के जन्म के अवसर पर बड़ी खूबसूरती से सजाया। उत्सव का शुभारंभ विभागाध्यक्षा डॉ. किरण सिंह व अन्य सहायक प्रोफेसरों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस उपलक्ष पर छात्राओं ने कृष्ण के गीतों पर नृत्य कर व कृष्ण रासलीला दिखाकर वातावरण को कृष्णमयी बना दिया। इस अवसर पर डॉ. बीनू सहगल ने भी एक मनमोहक गीत के साथ अपने कृष्ण प्रेम की भावना को व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन पारिवारिक संसाधन प्रबंधन पाठ्यक्रम समन्वयक सहायक प्रोफसर डॉ. कविता दुआ ने किया। अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया।